संख्या : 850(1)/VIII/726-श्रमटीसी/02

प्रेषक.

सोहन लॉल अपर सविव उत्तर्रादल शासन।

सवा म

श्रमायुक्तः उत्तरांघल,इल्झानी ।

श्रम सेवायोजन प्रशिक्षण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अनुभाग चेहरादून दिनांक: 28 मई-2005

तिषयः वित्तीय वर्ष 2005-06 हेतु आयोजनागत यक्ष में बात अभिकों का चिन्हींकरण एवं पुर्नवास योजनान्तर्गत मानक मद संख्या-42-अन्य ध्यय में प्राविधानित धनसाशि का आंबटन ।

उपर क्या विश्वयक आपर्यं पत्र स्तरमा 848 / देवदन क्रियानस्थ / 05 दिनांक 13 मई - 2005 के सम्बद्धी में मुझे नह करने उन निवास हका है कि आकाननामा पत्र के अनीमत दाल अभिको का कि एक एक एक एक प्राप्त के अनीमत दाल अभिको का कि एक एक एक एक प्राप्त में पाकिमानित कुल प्रनात ते न्यान के कि 00 000 / - [लप्य क नाम गान को अनाम या काम गान की और राज्यपाल महोदय मुझा एक दिनाही प्राप्त करते हैं।

2— तका मनगशि इस प्रतिबंध के राज शा शर्म के अमीन अपके निक्ति पर स्वीकृति की जा सा है कि इक्तिमाम नहीं में आर्जाटक सीमा एक हा जाम सीमित रहा जाये। यहाँ यह भी स्पष्ट किया हा के भगासि का जाम्यान किसा ऐसे व्यव का करने कर अधिकार नहीं बंधा है, जिसे व्यय हा ये हिन्द बन्द मेंन्ज़िल मा दिलीय एस्तपुर्दाकों के निक्ता म अपदेशों का उल्लंधन होता था। कार स्थम भाषकारी की स्वाकृत मान बदद हो किया जावमा हा म मितास्थता नितान्त आर्थ्यल मित्रक्षयहां के सम्बन्ध में समय समय जाने भारत्वाहरू है असे यादेशों का अनुपालन कहाई स बन्दिका भीचा आये। व्यव पुल्य स्था म किसा जासमाग्रिका निष् यह स्वीकृत किया जा रहा है

्य रहीत्त्व की त्य रही धनस्यात स्व विश्व के नाध-2003 तक पूर्ण संपर्धीय कर इसके। अध्यानिता प्रमाण का पूर्ण नामात धरिष्णका कार्कीक करतीते कर विवस्थ शासन की संपर्धक करा विक मध्या

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्याः यू०औ० 380(1)/वि०अनु०-3/05, दिनोकः 21, मई-2005, के अन्तर्गत प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

> भवदीय (सॉहन लाल) अपर सचिव।

पृष्ठांकन संख्याः 850(1) / VIII / 48-श्रम / 2005, तद्दिनांकः । प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः –

- महालेखाकार, उत्तरांचल दंहरादृन।
- सम्बन्धित जनपद के काषाधिकारी।
- ३ अगर अमायुवत संवासामन
- a विला अनुवास 3
- अर्देनकशाईक्सीक ससाराधल शासन
 - B और एसक्ट्रमक पेट, अपन स्थापन जिल्ला (कार) अनुसादन पारान (
 - 7. "HALLOW FEWER
 - ्र एको प्राप्तिन

आज्ञा से, (आरे०के० चीहान) अनुसंविव।